अयोध्या में सूर्य तिलक परियोजना

चर्चा में क्यों?

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics- IIA) ने अयोध्या में **सूर्य तिलक परियोजना** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु:

- सूर्य तिलक परियोजना के तहत चैत्र मास में श्री राम नवमी के अवसर पर **दोपहर 12 बजे** श्री राम लला **के माथे पर सूर्य की रोशनी लाई गई।**
- IIA टीम ने **सूर्य की स्थिति, ऑप्टिकल/प्रकाशिकी सिस्टम के डिज़ाइन** व **इष्टतम उपयोग** की गणना की और साइट पर एकीकरण व संरेखण का प्रदर्शन किया।
    - IIA टीम ने **19 वर्षों के एक चक्र** के लिये श्री राम नवमी के कैलेंडर दिनों की पहचान हेतु गणना का नेतृत्व किया, इसके बाद इसकी पुनरावृत्ति, राम नवमी की कैलेंडर तिथियों पर आकाश में स्थिति का अनुमान लगाया।
    - टीम ने मंदिर के शीर्ष से मूर्ति के माथे तक सूरज की रोशनी लाने के लिये एक **ऑप्टो-मैकेनिकल प्रणाली** के डिज़ाइन का भी नेतृत्व किया, सिस्टम में **दर्पण और लेंस के आकार, आकृति तथा स्थान का निर्धारण** लगाया ताकि लगभग 6 मिनट तक मूर्ति पर पर्याप्त रोशनी पड़ सके।
- **डिवाइस का निर्माण ऑप्टिका, बैंगलोर द्वारा** किया गया है और साइट पर ऑप्टो-मैकेनिकल सिस्टम का **कार्यान्वयन** वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद**-** केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान **(CSIR-CBRI)** द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics- IIA)

- IIA पूर्णतः **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित** भारत का एक प्रमुख शोध संस्थान है जो खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों के अध्ययन के लिये समर्पित है
- इसमें कई **ओबज़र्वेशन सुविधाएँ** हैं, जिनमें तमिलनाडु के कवलूर में **वेणु बप्पू वेधशाला,** कर्नाटक में **गौरीबिदनूर रेडियो वेधशाला** और लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर में हनले वेधशाला शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/surya-tilak-project-at-ayodhya